News item/letter/article/editorial published on 7/8/12 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Mahadayi stir on for 600 days

Farmers plan padayatra after the announcement of the Goa election results

GIRISH PATTANASHETTI
HUBBALLI

As the indefinite agitation launched by farmers and members of different organisations at Naragund entered the 600th day on Monday, there seems to be a marked shift in the approach of protesters towards resolving the long-pending issue of sharing of Mahadayi river water with which the Kalasa Banduri Nala project is interlinked.

The political undertones of different organisations, which were obvious during the initial days of the agitation, now seem to have disappeared or at least the farmers and those leading the protest have kept such organisations and individuals at bay.

They are now waiting for the results of the Goa Assembly polls to take the issue forward.

"We plan to take a padayatra of farmers to Goa with a message that we should solve the issue amicably. We want to give it a try," said Viresh Sobaradmath, who is leading the agitation.

In one voice: Farmers staging a protest in Naragund on Monday as the Mahadayi agitation entered the 600th day. SPECIAL ARRANGEMENT

Mr. Sobaradmath, who launched the agitation along with Shankranna Kambali, has now embraced 'sanyasa' and has emerged a "non-political leader."

While the intervention of Prime Minister Narendra Modi to resolve the issue is still their main demand, the developments in the aftermath of the Navalgund violence and with changed priorities of the leadership, their approach seems to have softened.

Meanwhile, taking exception to Goa Chief Minister Laxmikanth Parsekar's attempts to meet Mr. Modi on the Mahadayi issue, Navalgund MLA N.H. Konaraddi called it "a ploy" to further delay the solution.

News item/letter/article/editorial published on 7/3/17 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

पंजाब

▶ 7 मार्च, 2017 ▶ मंगलवार विविधा 7

सिंधु जल संधि पर लाहौर वार्ता 20 से

नई दिल्ली, (भाषा): भारत और पाकिस्तान सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर 20 और 21 मार्च को लाहौर में बातचीत करेंगे और भारतीय पक्ष का कहना है कि वह द्विपक्षीय समाधान के लिए हमेशा तैयार है। सरकार के एक शीर्ष सूत्र ने कहा, "स्थाई सिंधु आयोग (पीआईसी) की बैठक के लिए एजेंडे को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है लेकिन भारत संधि से संबंधित मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय तरीके से समाधान निकालने के लिए हमेशा तैयार है।" पाकिस्तान भारत की पांच जलविद्युत परियोजनाओं की डिजाइन को लेकर भी चिंता जताता रहा है और कहता रहा है कि सिंधु नदी घाटी में विकसित हो रहीं ये परियोजनाएं संधि का उल्लंघन करती हैं। इनमें पाकल दुल (1000 मेगावाट), रातले (850 मेगावाट), किशनगंगा (330 मेगावाट), मियार (120 मेगावाट) और लोवर कलनई (48 मेगावाट) हैं। पाकिस्तान ने 57 साल पुरानी जल बंटवारा संधि को लेकर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभा रहे विश्व बैंक से भी पिछले साल अगस्त में संपर्क साधा था और जम्मू-कश्मीर की किशनगंगा और रातले की परियोजनाओं पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी।

3
Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on 7/3/17 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

अब यमुना का पानी बुझाएगा प्यास!

पत्रिका : 7-3-17

राजधानी समेत 8 जिलों की पेयजल समस्या दूर होने का दावा

ओवरफ्लो होकर बहने वाले पानी को राजस्थान लाने पर उठी मांग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर . राजस्थान के सूखते बांध और तेजी से गिरते भू-जल स्तर ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। इससे ?निजात पाने के लिए अब यहां यमुना का पानी लाने की जरूरत सामने आ गई है। ऐसा करने से राजधानी समेत 8 जिलों की पेयजल समस्या दूर हो सकती है। सत्तारूढ़ पार्टी के ही विधायक रामलाल शर्मा ने सरकार को इस पर गहन विचार करने का आग्रह किया है। लिफ्ट परियोजना के जरिए यमुना का पानी यहां लाया जा सकता है। ऐसा हुआ तो जयपुर, अलवर, सीकर, सवाईमाधोपुर, नागौर होते हुए जोधपुर, बाड़मेर के करोड़ों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

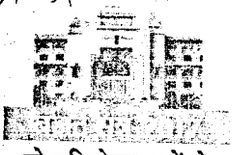

दो परियोजनाओं से बदली तस्वीर

- नर्मदा का पानी लाया गया तो कई शहरों की तस्वीर बदल गई।
- गंग नहर-इंदिरा गांधी नहर परियोजना से लाए गए पानी से फसलें लहलहा रही हैं।

हक छीनना नहीं चाहते

रामलाल ने कहा कि राजस्थान किसी दूसरे राज्य, शहर के हिस्से का पानी नहीं लेन चाहता, बल्कि यमुना में ओवरफ्लो होकर शहरों-गांवों में तबाही मचाने वाला पानी चाहिए। इस हिस्से को ही राजस्थान में ले आएं तो तस्वीर बदल जाएगी। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, हरियाणा व अन्य राज्यों में यमुना के ओवरफ्लो होने वाली पानी से तबाही मच चुकी है।

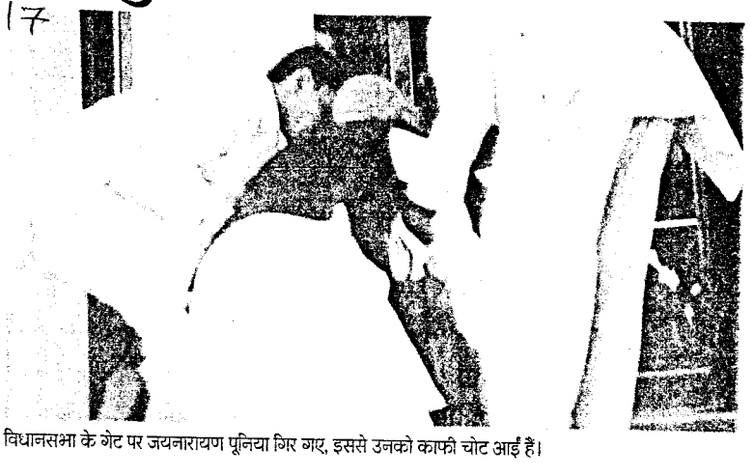

विधानसभा के गेट पर जयनारायण पूनिया गिर गए, इससे उनको काफी चोट आई है।

जयपुर, अलवर, सीकर, सवाईमाधोपुर, नागौर होते हुए जोधपुर, बाड़मेर।

ये नदियां सूखीं

- बांडी
- मेंढा
- त्रिवेणी
- बाणगंगा
- साबी
- सोटा
- ढूंढ नदी
- कालखो
- बनास

बांधों में पानी नहीं

रामगढ़	नितका
कालख	बनिया
सांभर झील	का बास
जवानपुरा	पंच पहाड़ी
धाबाई	बुचारा
छितोली	बकेडी

रामगढ़ बांध सूखने से परेशान

रामगढ़ बांध सूखने के बाद जयपुर की प्यास बीसलपुर के ही भरोसे है। ऐसे में भविष्य को देखते हुए दूसरा विकल्प तैयार करना बेहद जरूरी हो गया है। विशेषज्ञ भी यही मान रहे हैं। गौरतलब है कि रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र का गला घोंटने के कारण आज जयपुरवासियों के लिए पेयजल के लिए बीसलपुर पेयजल परियोजना पर निर्भर रहना पड़ा है।

News item/letter/article/editorial published on 7/3/17 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

पेयजल भंडारण पर रहेगा जोर

27 से 16 अप्रेल तक इंदिरागांधी नहर में बंदी प्रस्तावित

7-3-17

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

हनुमानगढ़. हरिके बैराज पर 27 मार्च से 16 अप्रेल तक मरम्मत कार्य के चलते पूर्णतः बंदी रहेगी। इस अवधि में बैराज पर पानी की मात्रा शून्य रहेगी। स्थानीय नहरों में इसका प्रभाव आने में दो दिन का वक्त लग सकता है। इसकी जानकारी जल संसाधन उत्तर संभाग हनुमानगढ़ के मुख्य अभियंता राजकुमार चौधरी ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में दी।

उन्होंने बताया कि प्रस्तावित नहरबंदी की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। छह मार्च के बाद का जो रेग्यूलेशन बनाया गया है, उसमें पेयजल व सिंचाई पानी दोनों चलाया जाएगा। इसलिए सभी किसान संगठनों, जल उपयोक्ता संगम अध्यक्षों व जिले के लोगों से आग्रह है कि वह जल भंडारण के प्रति जागरूक हो जाएं। खेतों में डिग्गी में भी किसानों को जल भंडारण करने की सलाह दी है। जिससे बंदी अवधि में पेयजल किल्लत से बचा जा सके। मुख्य अभियंता ने बताया कि बैराज पर मरम्मत कार्य

दस जिलों में प्रभाव

बैराज पर मरम्मत कार्य चलने के कारण इसका प्रभाव राजस्थान के दस प्रमुख जिलों पर पड़ेगा। इंदिरागांधी नहर से हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनूं, सीकर, जोधपुर, नागौर, जैसलमेर, बाड़मेर जिलों में पानी प्रवाहित होता है। नहरबंदी के दौरान इन जिलों में पेयजलापूर्ति सुचारू रखना पीएचईडी के लिए चुनौती से कम नहीं होगा।

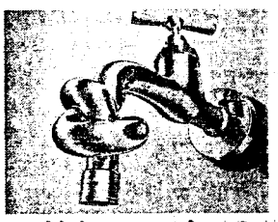

पूरा होने के बाद वहां से प्रवाहित पानी की छीजत पहले की तुलना में काफी कम हो जाएगी। इससे राजस्थान की नहरों को हिस्से के अनुसार पानी मिल सकेगा।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार करीब डेढ़ दशक में पहला मौका होगा, जब हरिकै बैराज पर पानी निल किया जाएगा। इस स्थिति में भीषण गर्मी के दौरान पेयजलापूर्ति व्यवस्था सुचारू रखना पीएचईडी अधिकारियों के लिए आसान नहीं रहेगा। बंदी अवधि में जलापूर्ति सुचारू रखने की आवश्यक तैयारियों में पीएचईडी के अधिकारी जुट गए हैं। जल भंडारण सहित अन्य व्यवस्था के लिए पीएचईडी ने करीब सवा करोड़ का बजट सरकार से मांगा है। बजट मिलने के बाद स्थानीय अधिकारी बंदी से निपटने के इंतजाम में जुटेंगे।

मरम्मत को बजट जारी

जल संसाधन विभाग ने हरिके बैराज पर मरम्मत कार्य के लिए 30 करोड़ व एमबी लिंक मरम्मत पेटे 14 करोड़ की राशि पंजाब सरकार को जमा करवा दी है। इसके बाद मरम्मत संबंधी सभी आवश्यक तैयारियां पूरी हो गई है। बैराज मरम्मत के बाद हरिके डाउन स्ट्रीम के जरिए पाकिस्तान जा रहे पानी को रोका जा सकेगा। इससे राजस्थान के किसानों को शेयर के अनुसार पानी मिल सकेगा। वर्तमान में बैराज के गेट खराब होने के कारण काफी पानी पाक क्षेत्र में चला जाता है।

News item/letter/article/editorial published on 7/3/17 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

केंद्रीय मंत्री के आदेश की भी अनदेखी... पत्रिका-7-3-17

आज भी जिंदा है सीसामऊ का जहरीला नाला

विनोद निगम
patrika.com

कानपुर. गंगाबैराज से लेकर भैरोघाट तक गंगा के जल में कीड़े मिलने से हड़कंप मच गया। जल संस्थान ने पूरे मामले की रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपी। गंगा के जल में कीड़े मिलने के बाद सीसामऊ के नाले पर फिर से जिला प्रशासन ने नजर अड़ा दी है।

जानकारों का मानना है कि केंद्रीय मंत्री उमा भारती के आदेश के बाद भी इस नाले का गंदा और केमिकल युक्त पानी गंगा में जा रहा है। इसको रोकने के लिए मंत्रालय की तरफ से अच्छा खासा पैसा भी दिया गया। जिसको खत्म करने के लिए उमा भारती ने कसम खाई थी। ये समस्या आज भी जिंदा है और निर्मल जल को जहरीला कर रहा है। सारा मामला सीसामऊ नाले पर आकर रुका हुआ है। इस बीच गंगाजल में कीड़े मिलने से नई मुसीबत उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के सामने आ गई है। बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी सुरेश यादव ने कहा कि इसकी रिपोर्ट मंगाई गई है।

13.6 करोड़ ली. दूषित पानी प्रदूषित कर रहा है

विश्वबैंक के अध्यक्ष, जल संसाधन मंत्री उमा भारती जापान की टीम और केंद्र व प्रदेश के आला अफसर गंगा में गिरते सीसामऊ नाले को देख चुके हैं लेकिन आज तक गंगा में गिर रहे नाले को रोका नहीं जा सका है। अब तक गंगा सफाई के नाम पर आठ अरब रुपये खर्च हो चुके है लेकिन 124 साल पुराना सीसामऊ नाला जस का तस गिर रहा है। हालत यह है कि झरने के रूप में रोज 13.6 करोड़ लीटर दूषित पानी मिलकर गंगा के पानी को प्रदूषित कर रहा है। इस नाले का निर्माण 1892 में अंग्रेजों की सरकार ने कराया था। तीन दर्जन से ज्यादा मोहल्लों का 13.6 करोड़ लीटर गंदा पानी गिर रहा है जबकि बारिश में बीस करोड़ लीटर पानी रोज गंगा में गिरता है। जलसंसाधन मंत्री उमा भारती ने सितंबर 2014 में सीसामऊ नाले का निरीक्षण किया था और 45 दिन में बंद करने का फरमान दे गईं पर वह आज भी बदस्तूर सांसे ले रहा है।

.3
Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on March 7.3.2017 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.) ✓
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

They hail the PM, but no takers for Namami Gange

TOI - 7.3

Rohan.Dua@timesgroup.com

Varanasi: The 7-km stretch of the revered Ganga that runs along the city from Assi to Varuna with grand ghats will always remain the issue in every election till it is cleaned up.

From purohits to hawkers, all fume at the mention of Namami Gange, the Centre's clean-Ganga mission launched with fanfare in 2014.

Sadanand Pandey, a purohit, laments how the odour of effluents, animal and human excreta that disturb him late evenings after the aarti. Effusive in his praise for PM Narendra Modi for the Centre's initiative, he backs the National Green Tribunal (NGT)'s comment last month rapping government agencies for "only wasting public money" in the name of Namami Gange project, launched by PM Modi after his election as Varanasi MP.

VARANASI VOICES

"A half-measure is full failure. Modi's a man of determination. But the reason we wanted to move from Akhilesh to him has not been convincing. Tourists step back even now from taking a dip in the smelly river," says Sadandand.

The January lab report by Sankat Mochan Foundation, that's been testing Ganga's water quality and the bathing ghats of Varanasi, found the fecal coliform count (FCC) count had jumped from 41,00 per 100ml in 2014 to 50,000/100ml in 2017 — way beyond the permissible limit of 500/100 ml. FCC, a water-borne bacteria, is known to cause gastro-enteritis.

Head priest (mahant) of Sankat Mochan Temple (SMT) and its chief, Vishwambhar Nath Mishra, who is also a part of the faculty of electronics engineering at IIT BHU, talks of the time when he met Modi in 2013, before the LS polls. "We discussed how Ganga will be a key issue in speeches and its cleanliness his first big target once elected.

"But, today, minister Uma Bharati is making an empty promise that she will commit suicide if Ganga is not cleaned by 2019. No suicide can save this river unless they respect her (Ganga)," says Mishra. He talks of how SMT had taken the issue to then PM Rajiv Gandhi in 1986 and again to Modi in 2014.

"The same sewage treatment plant (SGT) with a capacity of 102 MGD runs here, when the total waste disposal is nearly 376 MGD. Even this government is not releasing the Rs 49 crore project envisioned with American technology" says Mishra. Both Congress and BSP take a dig at BJP over Namami Gange, but the saffron party deflects it, saying it's the state government's jal boards that "never cooperate".

"BJP sanctioned Rs 2,000 crore. Where was Congress and SP before we took charge?" said Saurabh Srivastva, BJP candidate for Varanasi Cantt.